RE. Hindi Text of President's Speech to be read by the Prime Minister.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have invited the Speaker of the Turkish Parliament to lunch. I had to go at 12.30. Mr. Ajit P. K. Jogi will deal with the business. He is competent enough. Let him take over.

[उपसभाध्यक्ष श्री अजीत जोगी पीठासीन हुए ।]

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मुझ इसकी लिखित में अनुमति मिल गई थी । आज रात्रि में स्वर्ण जयन्ती का कार्यक्रम हो रहा है। ऐसे कार्यक्रम में आज तक यह परम्परा रही है कि राष्ट्रपति अगर हिन्दी में भाषण देते हैं तो चेयरमन, राज्य सभा उसका अंग्रेजी में ट्रान्सलेशन पढ़ते हैं और अगर वे अंग्रेजी में भाषण देते हैं तो राज्य सभा के सभापति उसका हिन्दी में ट्रान्सलेशन पढ़ते हैं । अभी राष्ट्रपति जी का जो स्वागत हुआ उस समय भी राष्ट्रपति जी ने अंग्रेजी में भाषण दिया और हिन्दी में डिप्टी चेयरमैन ने उसका अनुवाद पढ़ा था । आज यह कन्वेशन तोड़ी जा रही है, यहां पर राष्ट्रपति के भाषण के बाद उनके भाषण का अनुवाद प्रधान मंत्री जी पढ़ेंगे । इस तरह का काम आज तक कभी नहीं हुआ । मैं यह जानना चाहता हूं कि यह नई परम्परा क्यों डाली जा रही है ? आखिर इसके लिए कोई तो कारण होगा ? अभी 15 दिन पहले जब उनका भाषण हुआ तो ऐसा नहीं था । 15 दिन के बाद क्यों बदलाव आया है और यह ऐसी बात क्यों हुई है ? जो कहा जा रहा है वह बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि रूलिंग पार्टी के खिलाफ डिप्टी चेयरमैन का रवया रहा है । उनकी ज्यादतियां रही हैं, उन्होंने यहां पर सदन को ठीक तरह से चलाया है । उसकी कोई शिकायत रही है . . .

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : कृपया भाषण अपनी बात कह ली, अब इसको समाप्त करिये ।

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : नहीं, आप मुझ बताइये क्यों इसको किया जा रहा है ? आखिर 50 साल की कन्वेशन क्यों तोड़ी जा रही है ? फिफ्टी ईयर्स हम मना रहे हैं ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Please sit down.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Let me know.

क्या इसकी वजह है, क्यों इसको किया जा रहा है ?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Appropriation Bill. (*Interruption*).

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : यह हमारी राज्य सभा का सवाल है . . . . (व्यवधान)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश) : यह महत्वपूर्ण मामला है, इसके ऊपर कोई प्रतिक्रिया तो आनी चाहिये । क्योंकि इसके साथ . . . (व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): The Chair cannot force the Government to react.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : नहीं, सरकार के लोग . . . (व्यवधान) . . . . हम उत्तर की अपेक्षा करते हैं . . . (व्यवधान)

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : महोदय . . . (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) मल्होत्रा जी आप बैठ जाइये ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : हम उनके साथ सहयोग कर रहे थे । हम उनसे यह भी अपेक्षा करते हैं, हमारी उनसे आशा है कि अगर एक महत्वपूर्ण मामला हमारे मित्र मल्होत्रा जी उठा रहे हैं तो उसका कुछ न कुछ तो उत्तर आना चाहिये, प्रतिक्रिया आनी चाहिये ।

इसी तरह से पहले भी एक रेलवे वैगन का मामला पड़ा हुआ है । कम से कम जो उठाया है ..(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : चलिये, काम को आगे बढ़ाइये । चतुर्वेदी जी कृपया बैठ जाइये ।

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : मैं बैठ जाता हूं ।...(व्यवधान)

SHRI K. R. MALKANI (Delhi): Sir, (*Interruption*).

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : मल्होत्रा जी बैठिये, मलकानी जी प्लीज सिट डाउन ।

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Will you convey our feelings?

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : आपसे यह निवेदन है कि कम से कम आप सरकार की तरफ मुखातिब होकर उससे पूछिये कि वह कुछ कहना चाहती है या नहीं ? वह नहीं कहना चाहती हो तो बात दूसरी है । मगर आपसे दोबारा निवेदन है कि कम से कम ऐसे मामले पर आप उनसे पूछिये तो

At least you address the Treasury Benches. You can ask the Treasury Benches whether they are reacting to it or not.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): We have to take up the Railway Appropriation Bill. Mr. Fernandes.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: I have raised an important matter.

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : आप उपसभाध्यक्ष की हैसियत से कम से कम ...(व्यवधान) आपसे निवेदन है.... (व्यवधान)

SHRI JOHAN F. FERNANDES (Goa): Mr. Vice-Chairman, Sir, I have raised a point of order. A statement is sought to be laid.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI) While initiating the debate, you can mention this point also.

SHRI JOHAN F. FERNANDES Has the statement been laid on the Table of the House for a discussion?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): This is the Railway Appropriation Bill, not the statement.

SHRI JOHAN F. FERNANDES I asked the Deputy Chairman whether we can discuss the statement also. ..(*Interruptions*)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): You have to initiate the debate. ..(*Interruptions*).. So far that statement has not been laid. The Deputy Chairman did not allow it.

SHRI JOHAN F. FERNANDES: Has it been withdrawn? ..(*Interruptions*)..

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : भंडारी जी को बोलना है ...(व्यवधान)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): I am sorry. Mr. Bhandari will initiate.

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : भंडारी जी ने बोलने से पहले बता तो दीजिये, जो सवाल हमने आपसे पूछा था उसका क्या हुआ ? ...(व्यवधान)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : आप उधर मुखातिब नहीं हो रहे हैं, सरकार की तरफ से...(व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : स्टेटमेंट ले तो हुआ नहीं । भंडारी जी आप बोलना शुरू करें । . . . (**व्यवधान**)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : प्रश्न यह है कि . . . (**व्यवधान**) बेरूखी क्यों है । . . . (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): आप अपने ही लीडर को नहीं बोलने दे रहे हैं, चतुर्वेदी जी । . . . . (**व्यवधान**)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : हमारी बात का जवाब नहीं आ रहा है, आप उनसे पूछते भी नहीं . . (**व्यवधान**) . . .

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : भंडारी जी, आप बोलना शुरू कीजिये . . . . (**व्यवधान**)

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : चेयरमैन साहब आप इस बात पर चुप क्यों हैं . . . (**व्यवधान**)

आप रीऐक्ट क्यों नहीं करते । यहां पर राम विलास पासवान जी हैं, गवर्नमेंट के मिनिस्टर्स हैं . . . (**व्यवधान**)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : भंडारी साहब, आप बोलना शुरू करें । (**व्यवधान**)

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान) : मैं तो बोल दूंगा लेकिन जो सवाल यहां पर उठाए जा रहे हैं उनका जवाब तो पहले दिलवा दीजिए । . . (**व्यवधान**)

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : आप पूछिए न उनको . . (**व्यवधान**)

श्री सुन्दर सिंह भंडारी : सदन सरकार से जो जानकारी चाहता है सदन को वह जानकारी सरकार द्वारा प्रोवाइड क्यों नहीं की जा रही है ? . . . (**व्यवधान**)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): You know that the Chair cannot force the Government to react. (*Interruptions*). It is for the Government to react. (*Interruptions*).

भंडारी साहब, आप बोलना शुरू करें । . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : इसमें गवर्नमेंट का रीऐक्शन जानना चाहिए ।

They may say 'yes' or 'no'.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Dou you want to say anything, Madam? (*Interruptions*).

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: We want the Government's reaction. It can be insert; it can be a dumb reaction. But we should know. (*Interruptions*).

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka): What is the stand of the Government?

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): The Government is not reacting. (*Interruptions*)

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: How can you intepret the Government's mind?

SHRI H. HANUMANTHAPPA: It is a programme of Parliament, not of Government.

श्री एस०एस० अहलुवालिया (बिहार) : आज तक यह कन्वेंशन रहा है कि राष्ट्रपति महोदय जो भी भाषण अंग्रेजी में पढ़ते हैं उसका हिन्दी अनुवाद उपराष्ट्रपति पढ़ते हैं। अभी उपराष्ट्रपति का चुनाव नहीं हुआ है लेकिन यहां पर ऐक्टिंग चेयरमैन हैं। उन्होंने पिछला भाषण भी पढ़ा है। तो यह चेंज क्यों, यह परिवर्तन क्यों ? . . (**व्यवधान**) . . . ,

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : वह तो . . . (**व्यवधान**) . . लेकिन हमारे चेयरमैन उर्दू में भी पढ़ सकते हैं, हिन्दी में भी पढ़ सकते हैं। ऐसी क्या मजबूरी आ गई, ऐसी क्या मजबूरी आ गई है ? यह मजबूरी कौन सी है, हम मजबूरी के बारे में हम आपका चाहते हैं । . . (**व्यवधान**) . .

श्री एस०एस० अहलुवालिया : महोदय अगर संविधान को पढ़ें तो राष्ट्रपति वही चीज पढ़ता है जो कौंसिल आफ मिनिस्टर पास करके भेजती है। उपराष्ट्रपति कौंसिल आफ मिनिस्टर का हिस्सा नहीं है, यही कारण है कि वह अंग्रेजी का अनुवाद हिन्दी में पढ़ता है या हिन्दी का अनुवाद अंग्रेजी में पढ़ता है। लेकिन यहां पर प्राइम मिनिस्टर जो कौंसिल आफ मिनिस्टर्स का हिस्सा है और वही राष्ट्रपति के लिए स्पीच तैयार करता है तो वही उसका अनुवाद पढ़ यह बात कुछ अच्छी नहीं लगती। **(व्यवधान)** इस तरह से राज्य सभा का अपमान करने की क्या जरूरत है? यह कौन सी नयी परम्परा डाली जा रही है?.. **(व्यवधान)**..

श्री त्रिलोकी नाथ चतुर्वेदी : इस पर सरकार का.. **(व्यवधान)**..

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : चतुर्वेदी जी, आप बोल चुके हैं। मैंने आपकी पूरी बात सुन ली है।.. **(व्यवधान)**.. मल्होत्रा साहब, आप भी बैठ जाइए।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): May I suggest this, Sir? Let us all request the Minister of State for Parliamentary Affairs to find out the reasons for the deviation from the tradition and let her come back to the House. I also ...*(Interruptions)*.

SHRI S. S. AHLUWALIA: It is an insult to our Presiding Officer. We are not going to tolerate. *(Interruptions)*.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I also feel that when there is a tradition over the years, that tradition should be kept up. There is no reason why there should be a deviation from that. I only request through you, Sir, my good friend Mrs. Natarajan to kindly speak to the people concerned who have taken the decision—I do not know who has done it—and come back to the House and let us know what is happening. *(Interruptions)*.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Would you react, Madam?

SHRI S. S. AHLUWALIA: Let her assure the House ...*(Interruptions)*.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI: Mrs. Jayanthi Natarajan wants to say something. *(Interruptions)*. Mrs. Jayanthi Natarajan. *(Interruptions)*.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, I appeal to you. Let us not waste our time on this. *(Interruptions)*.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Will all of you please sit down? *(Interruptions)*.

बैठिए, मल्होत्रा साहब, आप बोल चुके हैं।

I know the feelings of the House now. *(Interruptions)*. Please sit down. *(Interruptions)*. Will you please sit down?

श्री एस०एस० अहलुवालिया : सरकार की तरफ से उत्तर आना चाहिए। कल भी फंक्शन के बारे में बहुत सारे प्रश्न उठे हैं, आज भी उठ रहे हैं।.. **(व्यवधान)**..

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI: She is saying something. The Government is reacting. Please sit down. *(Interruptions)*

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN): Sir, I am totally in the hands of the House. Even Yesterday, certain matters about the ceremony were raised and Mr. Jaipal Reddy made it clear that the Government has a limited role in this. It is not in the hands of the Government. The Government does not decide this porgramme. *(Interruptions)*

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा : प्राइम मिनिस्टर के हाथ में सब कुछ है या नहीं।.. **(व्यवधान)**

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Mr. Malhotra, let her finish. *(Interruptions)*

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, let Mr. Malhotra speak. (*Interruptions*).

PROF. RAM KAPSE (Maharashtra): Let her enquire into what we have submitted first. (*Interruptions*) She can come back and inform us about the same. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Prof. Kapse, you have not been permitted to speak. Let her finish. Have the patience to listen to her. Let her finish. (*Interruptions*) you don't allow the Minister to speak. You want the Government to react. When she speaks, you don't allow her to speak. Please sit down. Let her speak. (*Interruptions*)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, if the hon. Members are willing to listen to what I say, I am ready to say something. Otherwise, I will sit down. (*Interruptions*) All I am trying to say is that the Government has a limited role to play in this. If the House wishes me to convey the sentiments of the Members to the hon. Speaker, I do not know the propriety. . .(*Interruptions*) If you want me to do it, I will go and do it. I do not know whether this is the right thing to do. (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA: Kindly convey our sentiments to the Prime Minister. . .(*Interruptions*)

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Why Prime Minister? This is not decided by the Prime Minister. (*Interruptions*)

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Sir, this is very unfair. The name of the Speaker has been mentioned. Did he take this decision? We would like to know the name of the person who has played this role, whether in part or in full. (*Interruptions*) Let the entire mystery be unravelled (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Mr. Chaturvedi, don't you have the patience to listen to her?

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Sir, I have that patience.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): But you don't show that patience.

SHRI TRILOKI NATH CHATURJAN: Mr. Chaturvedi, I don't want to mislead the House. I have better principles than that. (*Interruptions*)

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Sir, she is giving sermons to me. She belongs to the Congress party and is sitting there as a Minister. (*Interruptions*) She is giving sermons to me about principles.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Mr. Chaturvedi, will you please sit down?

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Sir, I don't want to listen to the sermons being given by Shrimati Jayanthi Natarajan. (*Interruptions*)

SHRI S. S. AHLUWALIA: Mr. Chaturvedi, why are you making it personal? (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Mr. Chaturvedi, you are a very senior Member. Will you please sit down?

SHRI TRILOKI NATH CHATURVEDI: Sir, I will sit down. But you have also to take into account what she is saying. You have also to safeguard our rights. (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): She is wanting to say something.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: These comments are extremely unfortunate and unwarranted.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, I expected more patience from a senior and respected Member like Mr. Chaturvedi. I was saying that I would not mislead the House and I was referring to my principles. I was

Shrimati Jayanthi Natarajan—contd.

saying that I would not mislead the House. It is not my duty to mislead the House. It is unfortunate that Mr. Chaturvedi reacted. But I have nothing more to say on what is going on. It is very unfortunate that the Members got up and said something to which I reacted. I refused to say anything because I knew that the Government has no role to play in this. The Government does not play any role in this. This is a function which is being organised elsewhere. Since I did not want to mention these things on the floor of the House, I kept quiet. I was forced to get up and say something and I said that the Government has a limited role to play. Then again, when the Members said "go and do something". I said: "Who should I told? Should I go and tell the people organising it that this is what the Members said? Do you want me to go to the person who is organising it and do you want me to tell him all these things? Is it properiety?" This was what I said. Mr. Chaturvedi said that I have mentioned the name of the Speaker. With great regret, I have to point out and you can check the record that I have not mentioned it. I have been very careful. I have requested the Members to tell me who they want me to go and convey this to? I will go and convey it to him. (*Interruptions*) The Government has no role to play in this. My responsibility is to speak for the Government. The Government has no role in this.

श्री० विजय कुमार मल्होत्रा : आप प्रधान मंत्री जी से कहिये . . . (व्यवधान)

He is not to translate. This is not his function.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Sir, in one minute, I will finish my sentence.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Mr. Malhotra, let her finish.

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: That is why I stood with the Members, whatever their agitation is, that we take it very seriously. Please let us discuss it elsewhere, not on the floor of the House. I plead with the members that I will come out and talk to you in the lobby. I plead with you not to discuss it on the floor of the House. Let us discuss it in the lobby. I will sit with you now, whatever the problems are. That is all I want to say. (*Interruptions*) . . . .

SHRI K. R. MALKANI: Mr. Vice-Chairman, Sir. . . . (*Interruptions*) . . . .

श्री एस० एस० अहलुवालिया : उपसभाध्यक्ष महोदय, सरकार का यह कहना कि यह सरकार इसमें इन्वाल्व नहीं है, यह गलत बात है क्योंकि जब्जैक्ट मेंशन बिना सरकार की अनुमति के, बिना राष्ट्रपति की अनुमति के नहीं बुलाया जा सकता है । पहली बात । दूसरी बात राष्ट्रपति जो संबोधन करते हैं

on the aid and advice of the Council of Ministers.

यह संविधान में लिखा है । जिस ऐड्रेस मेंशन को जो वे एड्रेस करेंगे, जो वह भाषण देंगे वह भाषण काउंसिल आफ मिनिस्टर्स ने ड्राफ्ट किया है, पास किया है । उसका अनुवाद यह परंपरा रही है, जब से यह सदन बना है, संसद बना है, कि राष्ट्रपति का भाषण उपराष्ट्रपति द्वारा अनुवादित भाषा में बोला जाता है । आज यह क्या जरूरत पड़ी कि उपराष्ट्रपति को हटाकर, उपराष्ट्रपति के पद को हटाकर यहां पर उन्होंने प्रधान मंत्री का नाम लिखा है । यह जानने की जरूरत है । यह सरकार का कहना कि हम इसमें जिम्मेदार नहीं हैं या हम इसमें इन्वाल्व नहीं हैं, हमसे पूछा नहीं गया, यह गलत बात है और गैर-संवैधानिक है । अगर बिना आपकी एड एण्ड एडवाइस के कोई भाषण पढ़ा जा रहा है या लिखा जा रहा है तो वह गैरसंवैधानिक है । इसका मुझे जवाब चाहिए . . . (व्यवधान) . . . यह सदन की अवमानना हो रही है । यह सदन का अपमान हो रहा है ।

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) एक बज गया है । भोजन अवकाश का समय है । क्या सदन चाहता है कि भोजन अवकाश हो या नहीं ?

कई माननीय सदस्य : हां ।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): Do you want lunch-break? ..(*Interruptions*)..

SHRI S. S. AHLUWALIA: Yes, yes. We want lunch-break. (*Interruptions*)..

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): What is the sense of the House? Do you want lunch-break? (*Interruptions*)..

श्री एस० एस० अहलुवालिया : मार्केट कह रही है कि हमारा कुछ लेना-देना नहीं है। 50 साल की स्वर्ण जयंती है और कुछ लेना-देना नहीं है।

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): I Want the sense of the House for lunch-break. (*Interruptions*)..

श्री विलोकी नाथ चतुर्वेदी : क्या किया जा रहा है? आज तक पता नहीं है। रोज पूछते हैं... (**व्यवधान**)..

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI S. JAIPAL REDDY): Mr. Vice-Chairman, we require the sense of the House for adjournment. If the principal Opposition party wants that we should adjourn, we agree.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P. K. JOGI): The House is adjourned till 2.00 P.M.

The House then adjourned for lunch at three minutes past one of the clock.

The House reassembled after lunch at two minutes past two of the clock, THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI) in the Chair.

THE APPROPRIATION (RAILWAYS) NO. 4 BILL, 1997—CONTD.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI) Now, Shri Ram Vilas Paswan to make a statement regarding wagons.

SHRI JIBON ROY (West Bengal): No, Sir. We have already discussed this issue. First of all, the decision of the Committee which was formed by this august House has got to be implemented. The question involves the life and employment of hundreds of thousands of employees and the existence or otherwise of a number of factories. The question also involves many Government assets.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): Now, I will have to take the sense of the House. Hon. Members, there are two things. One is the Appropriation (Railways) No. 4 Bill, 1997 and the other is a statement on wagons. Which one shall we take up first?

SOME HON. MEMBERS: Let us first take up the Bill.

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI SANATAN BISI): The sense of the House is that we should first take up the Bill. Shri Sunder Singh Bhandari to speak.

श्री सुन्दर सिंह भंडारी (राजस्थान) : उपसभाध्यक्ष महोदय, रेलवे एप्रोप्रिएशन बिल के बारे में मैं अपने विचार आप के द्वारा सदन तक पहुंचाना चाहता हूं।

वैसे तो यह टैक्नीकल सप्लीमैंटरी डिमांड्स की बात है, लेकिन इस में 38-39 नयी योजनाओं का समावेश किया गया है ये अरबों रुपए की योजनाएं हैं और टोकन के रूप में 10-10 लाख रुपये हरेक के लिए रखा गया है। मुझे लगता है कि रेलवे को इस बात पर विचार करना चाहिए यह इतनी भारी स्कीम्स लेने का काम पहली बार नहीं है। उन्होंने पहले भी पिछले 2-3 सालों में विस्तार की योजनाएं बनाई हैं, लेकिन दुख इसी बात का है कि वह लंबी होती जाती है और उन का खर्चा उन की लागत बढ़ती रहती है। तो केवल हम घोषणा